विचार बिन्दु

दौड़ना काफी नहीं है, समय पर चल भी पड़ना चाहिए। फ्रांसिसी कहावत

ग्रीन हाइड्रोजन होगा भविष्य का कार्बन रहित ऊर्जा का स्त्रोत

ऐसा अंदाज़ा लगाया जा रहा है कि अगले दो दशकों में विश्व स्तर पर किसी भी देश की ऊर्जा मांग में सबसे बड़ी वृद्धि भारत में देखने को मिलेगी। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था के साथ, जनसंख्या में वृद्धि के चलते भारत को अपने यहां पूरे यूरोपीय आर्थिक संघ के आकार के बराबर बिजली प्रणाली बनाने की आवश्यकता होगी। हालांकि अपने संसाधनों को देखते हुए भारत अपने औद्योगीकरण की गारंटी के लिए तेजी से आधुनिकीकरण करने वाले चीन तथा अन्य देशों के समान अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए गहन कोयला आधारित रास्ता आसानी से अपनाना पड़ सकता है। मगर इसकी बजाय यह अपने औद्योगीकरण को सुदृढ़ आधार देने के लिए स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को अपनाने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए कहीं अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपना कर चल रहा है। यह एक शुभ संकेत है। ऊर्जा की वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों के पैकेज में ग्रीन हाइड्रोजन भी एक घटक है। इस पैकेज में जैव ईंधन, प्राकृतिक गैस और पारंपरिक रिन्यूएबल ऊर्जा शामिल हैं। इतने बड़े भूभाग वाले देश के लिए स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को अपनाना जरूरी नवोन्मेष है। बहुतों को लगता है कि वास्तव में भारत विकासशील देशों को एक नया रास्ता दिखा रहा है, विशेष रूप से उन देशों को लिए जिनके यहां औद्योगीकरण की गति को तेज करने के प्रयासों में ऊर्जा की बड़ी मांग होने वाली है। भारत अक्सर अधिकतम संभव सीमा तक जीवाश्म ईंधन कोयले के उपयोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता रहा है। इस वास्तविकता से इन्कार नहीं किया जा सकता है कि अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए ऊर्जा के बुनियादी ढांचे का निर्माण करने की बड़ी आवश्यकता होती है। ऐसा ढांचा बनाने के लिए देश में पहल हो गई है। इसी पहल पर सारी दुनिया की निगाहें इस देश पर लगी है। अगर भारत अपनी ऊर्जा प्रणाली में सही संतुलन बनाने में सफल होता है, तो अन्य विकासशील देश इसका अनुसरण करेंगे। अब तक किसी भी देश ने अपनी औद्योगिक क्षमता के निर्माण के लिए पूरी तरह से नवीकरणीय ऊर्जा पर भरोसा नहीं किया है। भारत ने इसमें पहल करते हुए ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का प्रारंभिक काम शुरू किया है जो यदि परवान चढ़ता है तो वह इस देश को दुनिया में एक अग्रणी मुल्क के रूप में पहचान दे सकता है।

प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त 2021 को स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में 'नेशनल हाइड्रोजन मिशन' का ऐलान किया था। बाद में उसी के अनुरूप भारत सरकार ने करीब 20 हजार करोड़ रुपये के 'नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन' को मंजूरी दे दी है। इस मिशन के तहत सरकार ने 2030 तक 50 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। सरकार चाहती है कि आने वाले समय में भारत ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन, उपयोग और निर्यात का ग्लोबल हब बन जाय। जो रोडमैप तैयार किया गया है उसके तहत अगले सात वर्षों में हर साल पांच मिलियन मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोन का उत्पादन देश में होना है। इसके लिए इस क्षेत्र में कुल आठ लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। मिशन के तहत 60-100 गीगावाट की इलेक्ट्रोलाइजर क्षमता तैयार की जायेगी। इलेक्ट्रोलाइजर की मैन्युफैक्चरिंग और ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन पर 17,490 करोड़ की प्रोत्साहन राशि देने का भी प्रावधान किया गया है। देश में ग्रीन हाइड्रोजन के हब को विकसित करने के लिए 400 करोड़ का प्रावधान अलग से रखा गया है। बताया गया है कि इस मिशन से छह लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। इससे ईंधन तेल के आयात पर होने वाले एक लाख करोड़ का खर्च घटेगा। इससे ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में सालाना 50 मिलियन मीट्रिक टन की कमी आएगी। उर्वरक और केमिकल बनाने के खर्च में कमी आएगी। ग्रीन ऊर्जा स्त्रोत से हाइड्रोजन उत्पन्न करने के लिए कंपनियों को फायदा मिलेगा। इस प्रकार उत्पादित ग्रीन हाइड्रोजन, ऊर्जा के रूप में अनेक क्षेत्रों में इस्तेमाल की जा सकेगी। ग्रीन हाइड्रोजन स्वच्छ ऊर्जा का सबसे अच्छा स्त्रोत माना जाता है। इसमें सौर ऊर्जा का इस्तेमाल करके पानी में मौजूद हाइड्रोजन और ऑक्सीजन अलग करके हाइड्रोजन पैदा की जाती है। ये हाइड्रोजन कई चीजों के लिए ऊर्जा का काम कर सकती है।

ग्रीन हाइड्रोजन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे बनाने में कार्बनडाइ ऑक्साइड गैस का उत्सर्जन नहीं होता। पर्यावरणविदों का दावा है कि यह ऑयल रिफाइनिंग, फर्टिलाइजर, स्टील और सीमेंट जैसे भारी उद्योगों को कार्बन मुक्त करने में मदद कर सकती है। लिहाजा ग्लोबल कार्बन उत्सर्जन में कटौती में भी ये मददगार साबित होगी।

ग्रीन हाइड्रोजन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे बनाने में कार्बनडाई ऑक्साइड गैस का उत्सर्जन नहीं होता। पर्यावरणवादियों का दावा है कि यह ऑयल रिफाइनिंग, फर्टिलाइजर, स्टील और सीमेंट जैसे भारी उद्योगों को कार्बन मुक्त करने में मदद कर सकती है। लिहाजा ग्लोबल कार्बन उत्सर्जन में कटौती में भी ये मददगार साबित होगी। विशेषज्ञ मानते हैं कि ऊर्जा चुनौतियों से निपटने में हाइड्रोजन ऊर्जा की क्षमता का दोहन करने का यह सही समय है। अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और इलेक्ट्रिक वाहनों की हाल की सफलताओं ने साबित किया है कि नीतियों तथा प्रौद्योगिकी में नवाचार में स्वच्छ ऊर्जा उद्योग विकसित करने की शक्ति है। हाइड्रोजन आधारित ईंधन के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा के जरिये ऊर्जा भंडारण के प्रमुख विकल्प के रूप में अब हाइड्रोजन उभर रहा है जिससे ऊर्जा संसाधनों वाले क्षेत्रों से हजारों किलोमीटर दूर ऊर्जा की कमी वाले क्षेत्रों में प्रचुर मात्रा में अक्षय ऊर्जा से ऊर्जा का परिवहन होगा। भारी उद्योग, लंबी दूरी की माल ढुलाई, नौवहन और विमानन को डीकार्बोनाइज करने के साधन के रूप में, संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में कई उत्सर्जन कटौती के वादों में ग्रीन हाइड्रोजन को आधार बनाया गया है। सरकारों और उद्योगवर्ग दोनों ने हाइड्रोजन को शुद्ध शून्य कार्बन अर्थव्यवस्था के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में स्वीकार किया है। ग्रीन हाइड्रोजन की लागत को कम करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की एक पहल में घोषणा की गई है कि वह ग्रीन इलेक्ट्रोलाइज़र के लिए पिछले वर्ष निर्धारित अपने लक्ष्य को 25 गीगावाट से बढ़ा कर 2027 तक लगभग दोगुना 45 गीगावाट तक कर रहा है। यूरोपीय आयोग ने भी अपना विधायी प्रस्ताव तैयार किया है जिसमें हाइड्रोजन सहित नवीकरणीय और कम कार्बन गैसों के उत्सर्जन और यूरोप में सभी नागरिकों के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यूरोपीय संघ के गैस बाजार को डीकार्बोनाइज करने की बात की गई है। उधर संयुक्त अरब अमीरात ने भी आगे बढ़ कर अपने देश की नई हाइड्रोजन रणनीति में 2030 तक वैश्विक कम कार्बन हाइड्रोजन बाजार का एक चौथाई हिस्सा रखने का लक्ष्य रखा है। जापान ने हाल ही में घोषणा की है कि वह अनुसंधान और विकास में तेजी लाने के लिए अपने ग्रीन इनोवेशन फंड से 3.4 बिलियन डॉलर का निवेश करते हुए अगले 10 वर्षों में हाइड्रोजन ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना।

हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों की जब बात आती है तो ग्रे, ब्लू, ग्रीन शब्द भी उससे जुड़े आते हैं। यह सब इसके उत्पादन के तरीके व्यक्त करते हैं। जलने पर हाइड्रोजन केवल पानी का उत्सर्जन करता है लेकिन इसे बनाने में कार्बन सघन हो सकता है। उत्पादन विधियों के आधार पर, हाइड्रोजन ग्रे, नीला या हरा - और कभी-कभी गुलाबी, पीला या फ़िरोज़ा भी कहा जाता है। ग्रीन हाइड्रोजन एकमात्र प्रकार है जो जलवायु-तटस्थ तरीके से उत्पादित होता है, जो 2050 तक कार्बन मुक्त ऊर्जा के लिए महत्वपूर्ण है। ग्रीन हाइड्रोजन ग्रे हाइड्रोजन और ब्लू हाइड्रोजन से भिन्न होता है। आवर्त सारणी में हाइड्रोजन सबसे सरल और सबसे छोटा तत्व है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि इसका उत्पादन कैसे किया जाता है, यह उसी कार्बन-मुक्त अणु के साथ समाप्त होता है। हालांकि, इसके उत्पादन के रास्ते बहुत विविध हैं। ग्रे हाइड्रोजन पारंपरिक रूप से मीथेन से बनाया जाता है जिसमें हाइड्रोजन के साथ कार्बन डाई आक्साइड भी बनता है जो जलवायु परिवर्तन के लिए मुख्य अपराधी माना जाता है। कोयले से भी ग्रे हाइड्रोजन का तेजी से उत्पादन किया गया है। इसमें भी उत्पादित हाइड्रोजन की प्रति यूनिट काफी अधिक कार्बन डाई आक्साइड उत्सर्जन होता है। इतना अधिक कि जिसे अक्सर ग्रे के बजाय ब्राउन या ब्लैक हाइड्रोजन कहा जाता है। यह आज औद्योगिक पैमाने पर उत्पादित किया जाता है। ब्लू हाइड्रोजन भी ग्रे हाइड्रोजन के समान प्रक्रिया से वैसे ही बनाता है जब हाइड्रोजन को मीथेन (या कोयले से) से विभाजित किया जाता है और इसे लंबे समय तक संग्रहीत करने के लिए उत्पादित कार्बन डाई आक्साइड को कैप्चर करने के लिए अतिरिक्त तकनीकों की आवश्यकता होती है। अक्षय ऊर्जा आज अधिकांश देशों में बिजली का सबसे सस्ता स्त्रोत है। जानकार लोगों का कहना है कि ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन को बढ़ाने के लिए उसकी उत्पादन प्रक्रिया के महत्वपूर्ण घटक 'इलेक्ट्रोलिसिस' की लागत को कम से कम तीन गुना कम करने की आवश्यकता है। हालांकि ग्रीन हाइड्रोजन के मामले में हम सौर पीवी जैसी कहानी दोहराई जाती देख सकते हैं। यह अब स्पष्ट हो चला है कि ब्लू हाइड्रोजन की अस्थिर और संभावित रूप से बढ़ती लागत के विपरीत, ग्रीन हाइड्रोजन की एक स्थिर, घटती लागत होती है जिस पर अब सबका ध्यान जा रहा है। इसलिए भारत में पूंजी की लागत को कम करने के लिए कम जोखिम वाले ग्रीन हाइड्रोजन के निर्माण के लिए नवीकरणीय प्रौद्योगिकियों और इलेक्ट्रोलाइज़र के निर्माण को बढ़ाकर निवेश लागत को कम करने का प्रयास होगा। इक्कीसवीं सदी के दूसरे दशक में अब अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियां पहले से अधिक परिपक्वता के स्तर पर पहुंच गई हैं जो दुनिया भर में प्रतिस्पर्धी नवीकरणीय बिजली उत्पादन की आधार भूमि तैयार कर रही हैं जिसमें ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन सभी के लिए लाभ का सौदा माना जा रहा है।

-अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

भारत में जल से जुड़ी योजनाएं विश्व में सबसे बड़ी : शेखावत

जोधपुर, (कासं)। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि जल संसाधनों को बचाए रखना हमारी सबसे बड़ी चुनौती है। भारत सरकार इस मामले में गंभीर है। इसलिए देश में आज जल से जुड़ी जितनी भी योजनाएं हैं, वे आकार और बजट के मामले में विश्व में सबसे बड़ी योजनाएं हैं।

शेखावत मंगलवार को जोधपुर में राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुडकी के उत्तर पश्चिमी क्षेत्रीय केन्द्र के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जल की चुनौती हम सब के सामने खड़ी है। जलवायु परिवर्तन और बढ़ती हुई आवश्यकताओं के चलते यह हमारे लिए बड़ी चुनौती है। पश्चिमी राजस्थान में गुजरात से लेकर पंजाब से लगते हिस्से में तो यह चुनौती और भी ज्यादा बड़ी है, क्योंकि यह रेगिस्तानी इलाका है और भूजल पर निर्भरता हमारी अधिक है। उन्होंने कहा कि अब पंजाब जैसे राज्य में भी चुनौतियां बढ़ रही है। देश में सबसे ज्यादा भूजल का दोहन पंजाब में हो रहा है। अब पानी का अधिकतम और उचिततम उपयोग कैसे कर सकते हैं। इस विषय पर इस संस्थान को काम करना होगा।

उन्होंने कहा कि इस रेगिस्तानी क्षेत्र की आवश्यकता को देखते हुए ये सेंटर जोधपुर में स्थापित किया गया है। मैं विश्वास करता हूं कि आने वाले समय में जोधपुर क्षेत्र की जल की समस्याओं के निवारण में और जल पुनर्भरण से जुड़े कार्यक्रमों को परिणामोन्मुखी बनाने के लिए काम करने में इस सेंटर की बहुत बड़ी भूमिका होगी।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार जिस तरह से काम कर रही है, वह अद्वितीय है। यूपीए सरकार में 2004 से 2014 तक जल सेक्टर में आठ हजार करोड़ रुपए खर्च किए, जबकि अभी पिछले नौ साल में ही भारत सरकार ने दो लाख अस्सी हजार करोड़ रुपए खर्च कर दिए। जल शक्ति मंत्रालय समठाता के साथ काम कर रहा है। जलविज्ञान केन्द्र इस दिशा में काफी काम कर सकता है। रेगिस्तानी भूभाग की आवश्यकता और आजीविका और जीवन के भविष्य के लिए इस संस्थान का यहां होना उपयोगी होगा। उन्होंने जोधपुर में नया संस्थान खुलने पर सबको बधाई भी दी।

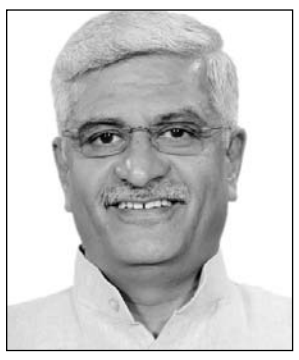

केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि अर्थव्यवस्था की बेहतरी के लिए मोदी सरकार ने कठोर फैसले लेकर सुधार किए हैं। कटिंग एज इंडस्ट्रीज को लाकर उनका डवलपमेंट भारत में करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके परिणाम स्वरूप देश में नया आर्थिक परिदृश्य बना है। अब कॉरपोरेट सेक्टर में करोड़ों

■ केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि जल संसाधनों को बचाए रखना हमारी सबसे बड़ी चुनौती है,भारत सरकार इस मामले में गंभीर है

रोजगार के अवसर पैदा हो रहे है। आज हमारे स्टार्टअप की संख्या एक लाख को पार कर चुकी है और यूनिकॉर्न की संख्या तो 111 को पार कर चुकी है।आज हम दुनिया के सबसे ज्यादा यूनिकॉर्न स्टार्ट अप वाले देश हैं। सौ लाख करोड़ रूपए का निवेश आधारभूत संरचना में किया गया है। इसी बजट में दस लाख करोड़ के निवेश की संकल्पना की गई है।

शेखावत ने कहा कि जिस देश ने हमें गुलाम रखा है, आज हम उस देश ब्रिटेन को पछाड़ कर दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में कामयाब हुए हैं। जिस गति से हम आगे बढ़ रहे हैं, उससे आर्थिक विश्लेषण और सर्वे करने वाली संस्थाएं भी मान रही है कि आने वाले तीन साल में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। जापान और जर्मनी को भी शीघ्र पीछे छोड़ने वाले हैं। हम जिस गति से बढ़ रहे हैं, उससे विश्वास के साथ कह सकते हैं कि हम विकसित भारत के सपने को साकार करके रहेंगे।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आज जिन लोगों को रोजगार मिलने वाला है। वे सौभाग्यशाली है। प्रधानमंत्री के उद्बोधन और साक्षी में उन्हें नियुक्ति पत्र मिला है। आज देश में बदलाव का दौर है और आप इस बदलाव के वाहक बन रहे है। दुनिया की कोई ताकत हमें विकसित देश बनने से नहीं रोक सकती। नौकरी का परिदृश्य बदल रहा है। नौकरियों में आवेदन के लिए लाइन लगना पड़ता था। इंटरव्यू में फेवर के लिए अफसरों और नेताओं के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। इस परिवर्तन का सौभाग्य हमें मिला है।

सवा महीने बाद भी नहीं मिला भुगतान, किसानों की हालत तंग

फागी, (निसं)। क्रय-विक्रय सहकारी समिति द्वारा किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीदे गये चने का मूल्य सवा महिने बाद भी नहीं मिलने से किसानों की तंगी हालत हो गई है। बाजार दर से कुछ अधिक राशि मिलने की आश में किसानों ने यहां कृषि उपज मण्डी यार्ड में सांगानेर क्रम विक्रय समिति की ओर से समर्थन मूल्य पर संचालित खरीद केन्द्र पर चना की तुलाई की थी। जिसका जल्द भुगतान मिलनी की उम्मीद थी, किन्तु तुलाई के सवा माह बीत जाने के

■ समर्थन मूल्य पर खरीदा था चना

बाद भी भुगतान के कोई आसार दूर-दूर तक भी दिखाई नहीं दे रहे हैं। किसान छोटू मानहाला व अन्य की माने तो बाजार से लिए कर्ज को चुकता करने के लिए एवं बाजार से ज्यादा रकम मिलने की उम्मीद में तो चना फसल का बेचान किया था किन्तु समय अधिक निकलने से कर्ज का चुकारा व अन्य घरेलू कार्यों में भारी परेशानी का समना करना पड़ रहा है। विजेन्द्र सिंह प्रभारी खरीद केन्द्र फागी का कहना है कि किसानों से खरीद की गई फसल का भुगतान शुक्रवार तक किसानों के खाते में भुगतान हो जावेगा।

पावटा में दिनों दिन बढ़ रही जाम की समस्या, एम्बुलैंस फंसी

पावटा में जाम के दौरान फंसी एम्बुलैंस।

पावटा, (निसं)। सप्ताह के पहले दिन सोमवार को पावटा कस्बे के सर्विस रोड पर जाम लग गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गई। वहीं यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए प्रागपुरा थाना व यातायात पुलिसकर्मियों द्वारा कोई कोशिश नजर नहीं आई।

कई दुपहिया व चौपहिया वाहन फंसे रहे, तो इलाज के लिए मरीज को जल्द अस्पताल पहुंचाने की एंबुलेंस चालक की कोशिश भी जाम में दम तोडती नजर आई। सुबह दस बजते-बजते वाहनों का दबाव इस कदर बढ गया कि सर्विस रोड पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। लेन व्यवस्था का अनुपालन न करने व जल्द आगे निकलने की होड में स्थिति और खराब हो गई। छोटे-बडे सभी वाहन एक जगह स्थिर हो गए। मुख्य सडकों के जाम होने से लोग गंतव्य तक पहुंचने के लिए संकरी गलियों से गुजरने को विवश हो गए। वहीं बैंकों, दुकानों व मॉल के सामने अवैध पार्किंग व बेतरतीब तरीके से खडे वाहनों से लंबे जाम में एंबुलेंस फंस गईं, उसमें सवार मरीज परेशान हुए। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले भी जाम में इसी तरह एक एंबुलेंस फंसी थी लेकिन जिम्मेदार अपनी आँखे बंद कर किसी बडी दुर्घटना का इंतजार कर रहे है।

भीषण गर्मी में पेयजल का संकट गहराया

पेयजल संकट को लेकर महिलाओं ने जाम लगा प्रदर्शन किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। भीषण गर्मी के बीच भीलवाड़ा में पेयजल का संकट गहराने लगा है। जलदाय विभाग की लापरवाही के ख़िलाफ़ महिलाओं का ग़ुस्सा फूटा और आक्रोशित महिलाओं ने सड़क मार्ग पर जाम लगा प्रदर्शन शुरू किया। वार्ड 52 कोली मोहल्ले की आक्रोशित महिलाओं ने सांगानेरी गेट पर प्रदर्शन करते हुए जाम लगा दिया।

महिलाओं का कहना था कि भीषण गर्मी में भी जलदाय विभाग की ओर से वार्ड नंबर 52 कोली मोहल्ला में जलापूर्ति नहीं होने से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रोज टैंकर मंगवाना भी संभव नहीं है। इस संबंध

■ वार्ड 52 कोली मोहल्ले की महिलाओं ने सांगानेरी गेट पर प्रदर्शन किया

में कई बार जलदाय विभाग के अधिकारियों से समस्या का समाधान करने की मांग की गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। ऐसे में उन्होंने जाम लगाकर अपना विरोध जताना पड़ा है। जाम की सूचना मिलने पर सुभाष नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश का प्रयास किया।

खैरथल को जिला बनाने का कितना फायदा होगा यह तो टिकट और जनता का निर्णय तय करेगा

किशनगढ़ बास, (निसं)। अलवर जिले के किशनगढ़ बास विधानसभा में खैरथल जिला बनने के बाद चुनावी समर परवान चढ़कर बोलने लगा है। वैसे तो चुनाव होने में अभी 5 माह हैं, लेकिन चुनाव में किस्मत आजमाने के लिए नेताओं ने गांव-गांव में दस्तक देना शुरू कर दिया है।

कांग्रेस में टिकट चाहने वालों की लंबी सूची है तो वहीं भाजपा में अभी तक केवल एक ही नाम है पूर्व विधायक रामहेत यादव जिनकी टिकट लगभग तय मानी जा रही है। विधायक दीपचंद खेरिया खैरथल जिला बनने के बाद जीत और टिकट दोनों को पक्का मानकर कांग्रेस राज में हुए विकास कार्यों को जनता के बीच रखने में और भाजपा व पूर्व विधायक रामहेत यादव पर हमला बोलने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

इस बार खेरिया कांग्रेस टिकट को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं। 2018 के चुनाव में कांग्रेस टिकट नहीं मिलने पर खेरिया बसपा टिकट पर चुनाव लडे और चुनाव जीतकर कांग्रेस सरकार में शामिल हो गए। वैसे परिसीमन के बाद बनी

- **परिसीमन के बाद किशनगढ़ बास विधानसभा में तीनों चुनाव में कांग्रेस को मिली हार, दो बार भाजपा और एक बार बसपा जीती है चुनाव**
- **कांग्रेस में टिकट चाहने वालों की लंबी सूची है तो वहीं भाजपा में अभी तक केवल एक ही नाम है पूर्व विधायक रामहेत यादव जिनकी टिकट लगभग तय मानी जा रही है, इधर इस बार विधायक दीपचंद खेरिया कांग्रेस टिकट को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं**

किशनगढ़ बास विधानसभा में हुए तीनों बार के चुनाव में कांग्रेस खाता नहीं खोल पाई है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मानना है कि इस बार राजस्थान में कांग्रेस की सरकार रिपीट होगी और किशनगढ़ बास से कांग्रेस चुनाव जीतेगी।

जिला बनाए जाने के सुनहरे पल का चुनावी लाभ उठाने के लिए खैरिया कोई कसर नहीं छोड़ना चाह रहे हैं। जिला बनाए जाने की खुशी में स्वागत कार्यक्रम गांव, गली, मोहल्ले, वार्ड, कॉलोनी के साथ समाज के लोगों की ओर से कार्यकर्ता इन दिनों चुनाव से पहले जनता के बीच खैरिया के कार्यकाल में हुए कामों को भुनाने में लगे हैं।

पूर्व विधायक रामहेत यादव और भाजपा का जन आधार इसलिए मजबूत माना जा रहा है की पिछले साढ़े 4 साल में यादव ने क्षेत्र की जनता से संपर्क नहीं तोड़ा है और लगातार उनके बीच रहे और अनेक बड़ी सभाएं रैली व आंदोलन कर सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ी।

कांग्रेस टिकट की दौड़ में पूर्व गृहमंत्री स्व. बाबू संपत राम की पुत्रवधू सिमरन कौर पूरी तरह सक्रिय होकर पुराने परिचित कार्यकर्ताओं से मुलाकात करने के लिए गांव गांव निकली हुई हैं कांग्रेस टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए नींव को मजबूत करने में लगी सिमरन कौर का क्षेत्र की जनता से पुराना रिश्ता रहा है। खैरथल रिजर्व सीट से बाबू संपत राम लंबे समय तक विधायक का चुनाव लड़ कर विधानसभा पहुंचे हैं और राजस्थान सरकार में गृह मंत्री रहे हैं। उनके द्वारा कराए गए विकास कार्यों की आज भी खैरथल किशनगढ़ बास के लोग मिसाल देते हैं। सिमरन कौर करीब 25 साल से क्षेत्र की जनता के साथ जुड़ी हुई हैं जिसके कारण कार्यकर्ताओं से सीधा संपर्क रखती है।

खैरथल रिजर्व सीट समाप्त होने व किशनगढ़ बास विधानसभा क्षेत्र बनने के बाद सिमरन कौर कांग्रेस टिकट की दौड़ में पहले भी रही हैं लेकिन सामान्य सीट होने के कारण टिकट नहीं मिला इस बार फिर सिमरन कौर कांग्रेस से टिकट की दौड़ में लगी है। सिमरन कौर दलित नेता स्वर्गीय बाबू संपत राम की पुत्रवधू होने के साथ राजस्थान सरकार में प्रशासनिक सेवा में रहे वरिष्ठ आईएएस अशोक संपत राम की पत्नी है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 14 जून, 2023

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2080, अश्विनी नक्षत्र दिन 11:40 तक, अतिगंड योग रात्रि 3:00 तक, बालव करण प्रात: 8:44 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज कुमार योग प्रात: 8:49 तक है। राजयोग दिन 1:40 से सूर्योदय तक है। आज योगिनी एकादशी व्रत है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:02 तक, शुभ 10:44 से 12:27 तक, चर 3:52 से 5:35 तक, लाभ 5:35 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:17

मेष

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

मिथुन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

कन्या

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय बना रहेगा।

तुला

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक-सामाजिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बढ़ेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृश्चिक

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु

परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में मानसिक तनाव बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर

घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। परिजनों के व्यवहार के कारण अपमानित होना पड़ सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कुंभ

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।